No of Questions : 30
No of Pages : 5

नामांक

माध्यमिक परीक्षा, 2019–20

हिन्दी

मॉडल पेपर 2

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए के लिये सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड–अ

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

पहले खेल–कूद को लोग पढ़ाई में बाधा मानते थे। ऐसी मानसिकता सचमुच गलत थी। अब लोगों की मानसिकता में परिवर्तन आया है। लोग जान चुके हैं कि पढ़ाई के साथ–साथ खेलों का भी जीवन में विशेष महत्व है। खेलों से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। उसमें चुस्ती और फुर्ती आती है। पसीना बह जाने से शरीर की गंदगी बाहर निकलती है और रक्त का संचार बढ़ जाता है। शरीर के साथ–साथ खेलों का बुद्धि पर भी प्रभाव पड़ता है। कहा भी गया है, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। शिक्षा का उद्देश्य है– विद्यार्थी की बहुमुखी प्रतिभा का विकास करना। खेलें शिक्षा के इस उद्देश्य को प्राप्त करने में सहायक बनती हैं। खेल के मैदान में विद्यार्थी अनुशासन, समय का पालन, सहयोग, सहनशीलता, नेतृत्व, दृढ़ता, दल भावना आदि गुणों को सहज ही सीख जाता है। इन सब बातों को देखते हुए ही सरकार भी खिलाड़ियों को अधिकाधिक सुविधाएँ देने में प्रयासरत हैं।

1. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. खेलों से हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है? 1

3. सरकार खिलाड़ियों के लिए क्या कर रही है? 2

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

कल–कल करते आज हाथ से निकले
सारे भूत भविष्य की चिंता में वर्तमान की बाजी हारे
हानि–लाभ के पलड़ों में तुलता जीवन का व्यापार
मोल लगा बिकने वाले का बिना बिका बेकार हो गया

www.rbse.online

भरी दुपहरी में अंधियारा सूरज परछाईं से हारा।
हर पड़ाव को समझने में फिर लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल
वर्तमान के मोहजाल में, आने वाला कल न भुलाएँ।
आओ फिर से दीया जलाएँ।

4. भूत एवं भविष्य की चिंता में हम किसे गँवा देते हैं? 1

5. **फिर से दीया जलाएँ** का क्या तात्पर्य है? 1

6. लोग लक्ष्य को प्राप्त क्यों नहीं कर पाते? 2

खण्ड–ब

7. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 8

1. मेरे जीवन का लक्ष्य
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) बाल्यावस्था की समस्या
   - (ग) डॉक्टर बनने का उद्देश्य
   - (घ) डॉक्टर का महत्व
2. होली
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) इतिहास
   - (ग) कृषि का पर्व
   - (घ) रंग का त्यौहार
   - (ड़) कुप्रथा
   - (च) उपसंहार
3. उपभोक्तावाद और भारतीय संस्कृति
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव
   - (ग) उपभोक्तावाद, उदारवाद और आर्थिक सुधार
   - (घ) उपसंहार
4. भारतीय संस्कृति का अनुपम उपहार : योग
   - (क) प्रस्तावना
   - (ख) योग से आशय
   - (ग) योग का महत्व
   - (घ) वर्तमान में योग की स्थिति
   - (ड़) उपसंहार

8. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर का छात्र रमेश मानकर अपने प्रधानाचार्य को शुल्क मुक्ति हेतु प्रार्थना–पत्र लिखिए। 4

अथवा

8. स्वयं को रजनीश निवासी जयपुर मानकर अपने क्षेत्र के विद्युत अभियन्ता को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के कारण

विद्युत पूर्ति नियमित एवं पर्याप्त रूप से करवाने हेतु अनुरोध पत्र लिखिए। 4

खण्ड–स

9. **गोरा** को देखते ही मेरी पालने के सम्बन्ध में दुविधा निश्चय में बदल गई। रेखांकित में क्रिया कौन–सी हैं? 2

10. अपूर्ण भूत, पूर्ण भूत तथा हेतु–हेतुमद् भूत की परिभाषा लिखो तथा इन्हें उदाहरणों की सहायता से भली–भाँति समझाओ। 3

11. निम्नलिखित का समास कीजिए– 2

1. नौरात्रियों का समूह
2. शीत और आतप
3. हाथ से लिखा हुआ
4. चार मास का समाहार।

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 2 = 2$

1. जूही रैना और डेविड चिड़ियाघर घूमने गईं।
2. तुम्हारे को राम ने क्या कहा था?

13. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए। $1 \times 2 = 2$

1. मन मोह लेना।
2. कसर निकालना।

14. **जहाँ चाह, वहीं राह** लोकोक्ति का आशय लिखिए। 1

खण्ड–द

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार–बार मोहि लागि बोलावा।।
सुनत लखन के बचन कठोरा। परसु सुधारि धरेऊ कर घोरा।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालकु बधजोगू।।
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा। अब यहु मरनिहार भा साँचा।।
कौसिक कहा छमिअ अपराधू। बाल दोष गुन गनहिं न साधू।।
खर कुठार मैं अकरुन कोही। आगे अपराधी गुरुद्रोही।।
उतर देत छोड़उँ बिनु मारें। केवल कौसिक सील तुम्हारें।।
न त एहि काटि कुठार कठोरें। गुरहि उरिन होतेउँ श्रम थोरें।।
गाधिसूनु कह हृदयँ हँसि, मुनिहि हरिअरइ सूझ।
अयमय खाँड न ऊखमय, अजहुँ न बूझ अबूझ।।

अथवा

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

कहेउ लखन मुनि सील तुम्हारा। को नहिं जान बिदित संसारा।।
माता पितहि उरिन भए नीकें। गुरु रिनु रहा सोचु बड़ जीकें।।

www.rbse.online

सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।।
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरत देउँ मैं थैली खोली।।
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।
भृगुबर परसु देखावहु मोही। बिप्र बिचारि बचउँ नृपद्रोही।।
मिले न कबहुँ सुभट रन गाढ़े। द्विजदेवता घरहि के बाढ़े।।
अनुचित कहि सब लोग पुकारे। रघुपति सयनहिं लखनु नेवारे।।
लखन उतर आहुति सरिस भृगुबर कोपु कृसानु।
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुल भानु।।

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6

इनसे भिन्न, पण्डित प्राणांतकप्रसाद भी प्रशंसनीय पुरुष हैं। जब तक इस घट में प्राण है तब तक न किसी पर इनकी प्रशंसा बन पड़ी, न बन पड़ेगी। ये महावैद्य के नाम से इस संसार में विख्यात हैं। चिकित्सा में ऐसे कुशल हैं कि चिता पर चढ़ते–चढ़ते रोगी इनके उपकार का गुण नहीं भूलता। कितना ही रोग से पीड़ित क्यों न हो, क्षण भर में स्वर्ग के सुख को प्राप्त होता है। जब तक औषधि नहीं देते केवल उसी समय तक प्राणी के संसारी विथा लगी रहती है।

अथवा

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6

अब आप सब सज्जनों से यही प्रार्थना है कि आप अपने–अपने लड़कों को भेजें और व्यय आदि की कुछ चिंता न करें, क्योंकि प्रथम तो हम किसी अध्यापक को मासिक देंगे ही नहीं और दिया भी तो अभी दस–पाँच वर्ष पीछे देखा जायेगा। यदि हमको भोजन की श्रद्धा हुई तो भोजन का बन्धान बाँध देंगे, नहीं यह नियत कर देंगे कि जो पाठशाला सम्बन्धी द्रव्य हो उसका वे सब मिलकर नास लिया करें।

17. **लक्ष्मण–परशुराम संवाद** का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। 6

अथवा

17. **लक्ष्मण–परशुराम संवाद** की भाषा की विशेषताएँ बताइए। 6

18. बच्चों में लालच एवं एक–दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ के साथ–साथ निश्छलता भी मौजूद होती है। कहानी से कोई दो प्रसंग चुनकर इस मत की पुष्टि कीजिए। 6

अथवा

18. **बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई।** इस कथन में **बूढ़े हामिद** और **बालिका अमीना** से लेखक का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए। 6

19. **तजि अंगार अघात** से क्या तात्पर्य है? 2

20. श्रीकृष्ण को **ब्रज–मन्दिर** का दीपक क्यों कहा गया है? 2

21. **अभी न होगा मेरा अन्त** कविता को पढ़ने के पश्चात् आप अपने जीवन में क्या–क्या परिवर्तन लाने का निश्चय करेंगे? 2

22. पुस्तक–लेखन के विचार पर लेखक क्यों सहम गया? 2

23. **अमर शहीद** एकांकी का मूल भाव एवं उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 2

24. दादूदयाल की शिष्य-परम्परा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 2

25. शिव-धनुष भंग होने पर कौन कुपित हुआ? 1

26. **मुनिहि हरिअरइ सूझ** पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

27. हामिद की दादी का नाम क्या था? 1

28. जतिन किस चीज की पढ़ाई कर रहा था? 2

29. गोस्वामी तुलसीदास का परिचय संक्षेप में लिखिए। 4

30. कथाकार के रूप में प्रेमचन्द की साहित्यिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 4

****

सत्र 2020-21 से नये पाठ्यक्रमानुसार सभी कक्षाओं के सभी विषयों की टेक्स्ट बुक एवं सभी प्रकार की सहायक अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों को मोबाइल पर व्हाट्सएप द्वारा एवं वेबसाइट www.rbse.online पर उपलब्ध करवायी जाएगी। इसके लिये विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके लिये विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का कोई OTP Verification या Email द्वारा Verification नहीं देना होगा। हमारा व्हाट्सएप नम्बर जानने या अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये वेबसाइट www.rbse.online पर विजिट करें।